MP Board Class 9th Hindi Navneet Solutions पद्य Chapter 10 विविधा

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
'झोंपड़ी में ही हमारा देश बसता है' से क्या आशय है?
उत्तर:
इस पंक्ति का आशय यह है कि जबकि संसार के अन्य देशों ने बहुत उन्नति कर ली है, हमारे देश की अधिकांश जनता आज भी झोंपड़ों में निवास करती है।

प्रश्न 2.
कवि ने वासना को साँप क्यों कहा है?
उत्तर:
कवि ने वासना को साँप इसलिए कहा है क्योंकि जैसे साँप हर किसी को डस लेता है उसी तरह वासना भी हर किसी को डस लेती है।

प्रश्न 3.
कवि को घर की यादें क्यों आ रही हैं?
उत्तर:
जेल में होने के कारण बरसात की ऋतु में कवि को अपने घर की याद आ रही है।

प्रश्न 4.
कवि घर पर किसके द्वारा संदेश भेजना चाहता हैं?
उत्तर:
कवि घर पर बरसात के बादलों द्वारा अपना संदेश भेजना चाहता है।

प्रश्न 5.
'दीनता की उपासना' से क्या आशय है?
उत्तर:
दया भाव दिखलाते हुए मालिक के समक्ष भोजन इत्यादि हेतु स्वाभिमान रहित चापलूसी करना।

प्रश्न 6.
स्वामी के पीछे-पीछे कौन पूँछ हिलाता है?
उत्तर:
अपने भोजन इत्यादि की लालसा में स्वामी के पीछे-पीछे श्वान (कुत्ता) पूँछ हिलाता फिरता है।

प्रश्न 7.
पिंजड़े में किसे बंद रखा जाता है?
उत्तर:
जंगल के राजा सिंह (शेर) को पकड़े जाने पर पिंजड़े के अंदर बंद रखा जाता है।

प्रश्न 8.
बँधी हुई जंजीर किसके गले में आभरण का रूप धारण करती है?
उत्तर:
स्वाभिमान रहित कायरतापूर्ण आचरण करने वाले और पराधीनता में भी प्रसन्नता का अनुभव करने वाले श्वान (कुत्ता) को गले में बाँधी जंजीर की चुभन का अनुभव नहीं होता। अपितु वह उसे आभरण (आभूषण) समझ कर प्रसन्नतापूर्वक धारण करता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
कवि ने वासना से पहले कौन-कौन से विशेषण प्रयुक्त किये हैं और क्यों?
उत्तर:
कवि ने वासना से पहले लोलुप', 'विषैली' विशेषण प्रयुक्त किये हैं। उसने वासना को लोलुप और विषैली इसलिए कहा है कि क्योंकि गाँव के लोग भोले-भाले हैं। शहर के धूर्त लोग उनका शोषण करने के लिए उन्हें ललचाते हैं।

प्रश्न 2.
'सभ्यता का भूत और संस्कृति की दुर्दशा' के विषय में अपने विचार लिखिए।
उत्तर:
आज शहरों में निवास करने वाले युवाओं पर पश्चिमी सभ्यता का भत सिर चढ़कर बोल रहा है। इस सभ्यता की चकाचौंध में वे अपनी संस्कृति और प्रतिष्ठा को भूल गए हैं। इसके वशीभूत होकर वे भोले-भाले ग्रामीण लोगों एवं बालाओं का शोषण कर रहे हैं।

प्रश्न 3.
कवि ने अपनी माँ की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया है?
उत्तर:
कवि ने अपनी माँ की इन विशेषताओं की ओर संकेत किया-उसकी माँ बिना पढ़ी-लिखी है लेकिन उसकी गोद में मैं अपने सब कष्ट भूल जाया करता था, यद्यपि वह लिखना पढ़ना नहीं जानती फिर भी उसे मेरे सुख-दुखों की चिन्ता हमेशा सताये रहती है।

प्रश्न 4.
पिताजी की सक्रियता को कवि ने किस रूप में देखा है?
उत्तर:
पिताजी की सक्रियता को कवि ने इस रूप में देखा है-मेरे पिताजी वृद्ध हैं पर उन पर वृद्धावस्था का कोई प्रभाव नहीं है, वे इस उम्र में भी दौड़ने की, खिलखिलाने की हिम्मत रखते हैं, वे मौत से भी नहीं डरते हैं, और शेर से भी कुश्ती लड़ने को तैयार रहते हैं। उनके बोलने में बादलों जैसी कड़क है तथा काम में वे कभी भी पस्त नहीं होते हैं।

प्रश्न 5.
कवि अपने आपको अपने पिता के सामने किस रूप में रखना चाहता है?
उत्तर:
कवि अपने आपको अपने पिता के सामने इस रूप में प्रस्तुत करना चाहता है कि वह जेल में बहुत मस्त है, खूब भोजन करता है। खूब खेलता-कूदता है, खूब पढ़ता-लिखता है और खूब काम करता है। वह चरखा कातकर सूत निकालता है। वह इतना मस्त है कि उसका वजन 70 किलो हो गया है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 6.
स्वाधीनता और पराधीनता में क्या अंतर है?
उत्तर:
स्वाधीनता का अर्थ है स्वतंत्रता, अर्थात् स्वयं पर स्वयं का ही शासन-अनुशासन जबकि पराधीनता अर्थात् परतंत्रता से आशय है दूसरों के अधीन होना। स्वाधीनता की स्थिति में आप पर, स्वयं का ही नियंत्रण होता है। आप किसी के गुलाम नहीं होते जबकि पराधीनता आपको दूसरों के इशारों पर नाचे जाने को विवश करती है।

प्रश्न 7.
शेर पिंजड़े में बंद रहते हुए भी स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा कैसे करता है?
उत्तर:
शेर जंगल का राजा कहलाता है। उसे स्वयं पर किसी और का नियंत्रण स्वीकार नहीं। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने स्वाभिमान और स्वतंत्रता पर आँच नहीं आने देता। यदि परिस्थितिवश उसे पिंजड़े में रहने के लिए विवश होना पड़े तब भी वह श्वान की तरह अपने मालिक के पीछे-पीछे दुम घुमाने की बजाए अपनी पूँछ स्वाभिमान से खड़ी-तनी रखता है। साथ ही शेर अपने गले में कभी भी पट्टा या जंजीर भी धारण नहीं करता। इस प्रकार पिंजड़े में बंद होते हुए भी शेर अपने स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा बखूबी करता है।

प्रश्न 8.
श्वान स्वाधीनता का मूल्य नहीं समझता है। कैसे?
उत्तर:
श्वान निजी स्वार्थ के चलते निज-गौरव को तिलांजलि देने में भी संकोच नहीं करता। एक रोटी के लिए वह अपने गले में गुलामी का प्रतीक पट्टा बाँधकर अपने मालिक के पीछे-पीछे दुम हिलाता फिरता है। गले में पट्टे से बँधी जंजीर की चुभन का भी अनुभव नहीं होता। अपितु वह तो उसे गले का आभूषण समझकर सहर्ष धारण करता है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि श्वान को निज गौरव एवं स्वाधीनता की तनिक भी चिंता नहीं होती।

प्रश्न 9.
श्वान को कौन-सी बात नहीं चुभती?
उत्तर:
मानसिक गुलामी का प्रतीक पट्टा एवं उससे बँधी जंजीर श्वान को खूब सुहाती है। बल्कि वह तो उसे अपना आभूषण समझकर सहर्ष धारण करके अपने मालिक के आगे-पीछे मात्र एक रोटी के लिए दुम हिलाता फिरता है। उसे गले में बँधी जंजीर की चुभन तक का अनुभव नहीं होता। वास्तव में उसे निज स्वाभिमान एवं स्वाधीनता की तनिक भी चिंता नहीं होती।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
“हमारी ग्रामीण संस्कृति को शहरी बुराइयाँ प्रभावित कर रही है” स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
हमारा देश गाँवों का देश है। यहाँ आज भी सम्पूर्ण देश की 70% जनता निवास करती है। गाँवों में रहने वाले ग्रामीण गरीब एवं अशिक्षित हैं लेकिन वे बहुत भोले-भाले हैं। शहरी धूर्त लोग अपनी लोलुप और विषैली वासनाओं से उनका शिकार करते हैं। वे गरीबों का शोषण करते हैं तथा उनकी युवा कन्याओं को वासना के जाल में फंसा लेते हैं। इस प्रकार शहरी बुराइयाँ ग्रामीण संस्कृति का शोषण कर उन पर अपना प्रभुत्व जमाने का प्रयास कर रही है।

प्रश्न 2.
निम्नलिखित पंक्तियों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए
(अ) इन्हीं के मर्म को ..... साँप डसता है।
उत्तर:
कविवर अज्ञेय कहते हैं कि ये ग्रामीण अत्यन्त भोले-भाले एवं सीधे सच्चे हैं। नगर के धूर्त एवं मक्कार लोग इन्हें अपने भोग-विलास का शिकार बनाते रहते हैं। इन ग्रामों में बसने वाली निर्धन कन्याओं पर ये धूर्त लोग अपनी वासना भरी दृष्टि डालते हैं और फिर इनका शोषण करते हैं।

(ब) इन्हीं में लहराती ..... भूत हँसता है।
उत्तर:
कविवर कहते हैं कि शहर के तथाकथित संभ्रान्त व्यक्ति ही इन ग्रामीण अल्हड़ बालिकाओं पर कुदृष्टि डालते हैं तथा इन्हीं को अपनी वासना का शिकार बनाते हैं साथ ही उनकी दुर्दशा पर शहरी सभ्यता का भूत ठहाके लगाता है।

(स) पाँव जो पीछे ..... बच्चे।
उत्तर:
कविवर मिश्र कहते हैं कि स्वतन्त्रता के आन्दोलन में उसने अपने पिता की इच्छा से ही भाग लिया था लेकिन फिर भी माता-पिता के प्यार को स्मरण कर वे बेचैन हो उठते हैं और कहते हैं कि मेरी माँ मेरे बारे में रोज सोचती होगी कि मुझे जेल में बहुत कष्ट भोगने पड़ रहे होंगे। वह अपनी आँखों में आँसओं को उमड़ा रही होगी लेकिन फिर वह यह कहकर सन्तोष कर लेती थी कि मेरा पाँचवाँ पुत्र भवानी जेल में आराम से रह रहा होगा।

उस समय वह मेरे पिताजी से कह रही होगी कि तुम क्यों रो रहे हो, भवानी जेल में अच्छी तरह रहा होगा। वह तुम्हारी इच्छा जानकर और देश से अपनेपन की भावना होने के कारण ही तो जेल में गया है। उसका यह काम अच्छा है क्योंकि देश के लिए स्वयं को न्यौछावर कर देने की परम्परा तो तुम्हारी ही है। अतः उसने अच्छा किया जो वह देश की खातिर जेल चला गया। यदि वह जेल जाने से अपने पाँव पीछे खींचता तो निश्चय ही वह मेरी कोख को लजाता। जेल जाकर उसने मेरी कोख की लाज रख ली है। अतः तुम अपना दिल कमजोर मत करो। यदि तुम अपना दिल कमजोर करोगे तो दूसरे बच्चे भी रोना आरम्भ कर देंगे।

प्रश्न 3.
'हमारा देश' कविता के काव्य सौन्दर्य पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
'हमारा देश' कविता में कवि ने भारतीय ग्रामीण संस्कृति का चित्रण किया है। आज भी गाँव के अधिकांश लोग निर्धन और अशिक्षित हैं वे घास-फूस से बने झोंपड़ों में रहते हैं।

वे अपना मनोरंजन देशी वाद्य यंत्रों-ढोल, मृदंग और बाँसुरी से करते हैं। वे भोले-भाले एवं निष्पाप हैं। वे शहरी चकाचौंध से पूरी तरह बेखबर हैं। शहर के धूर्त व्यक्ति इनके मर्म को अपनी लोलुप और विषैली वासना से साँप की तरह डस लेते हैं। इतना ही नहीं ये शहरी साँप ग्रामीण अल्हड़ एवं मासूम युवा कन्याओं से अपनी वासना पूर्ति करते रहते हैं। उनकी दुर्दशा पर आधुनिक सभ्यता रूपी भूत अट्टहास किया करता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि कवि ने अपनी व्यंग्य शैली द्वारा ग्रामीण संस्कृति का शहरी संस्कृति द्वारा किये जा रहे शोषण को उजागर किया है।

https://www.evidyarthi.in/